बुशमैन जनजाति

बुशमैन –

बुशमैन, अथवा **सान लोग** अफ्रीका के कालाहारी मरुस्थल और आसपास के इलाकों में निवास में करने वाली एक बेहद प्राचीन व प्रमुख जनजाति हैं।

वर्तमान में बुशमैनो की संख्या 10000 है बुशमैन लोगों के समूह में परंपरागत रूप से 20 या 20 से कम सदस्य होते हैं इसका प्रमुख कार्य आखेट तथा खाद्य संग्रहण करना है।

उपनाम- अफ्रीका के कालाहारी मरुस्थल में रहने वाले बुशमैनो को अनेक नामों से जाना जाता है

1. सोन
2. रवि
3. बसारवा

बुशमैन लोगों की शारीरिक बनावट या विशेषताएं-

1. यह लोग नाटे कद के होते हैं।
2. यह जनजाति नीग्रिटो प्रजाति से संबंधित है।
3. बुशमैन जनजाति के लोगों के जबड़े मोटी हॉठ बाहर निकले हुए होते हैं।
4. इनकी आंखें छोटी वह गोल होती है परंतु चौड़ी नहीं होती है।
5. इनके नितंब बहुत भारी होते हैं।

बुशमैन जनजाति के निवास क्षेत्र-

1. बुशमैन लोगों का निवास क्षेत्र अफ्रीका महाद्वीप में 18 डिग्री दक्षिणी अक्षांश से 24 डिग्री दक्षिणी अक्षांश के मध्य बेचूआनालैंड में स्थित है।
2. कालाहारी मरुस्थल और दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका के उपोषण घास के मैदान।

3. दक्षिणी अफ्रीका, बोत्सवाना ,नामीबिया तथा अंगोला आदि।

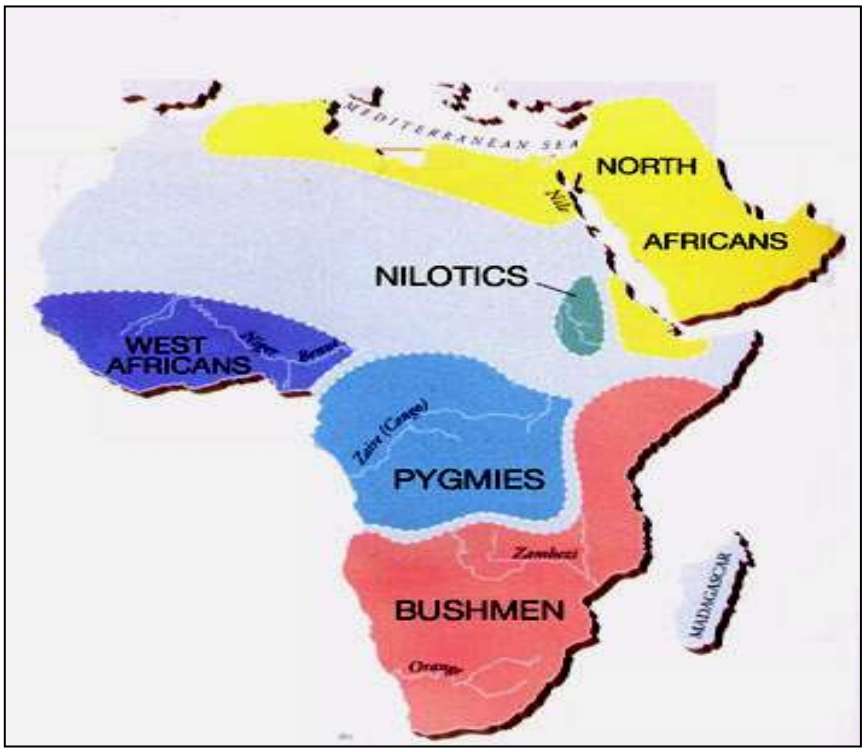

दक्षिणी अफ्रीका का भूभाग, जिसका क्षेत्र दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे, लेसोथो, मोजाम्बिक, स्वाज़ीलैंड, बोत्सवाना, नामीबिया और अंगोला के अधिकांश क्षेत्रों तक फैला है, के स्वदेशी लोगों को विभिन्न नाम जैसे बुशमेन, सान, थानेदार, बार्वा, कुंग, या ख्वे के रूप में जाना जाता हैं। ये सभी अफ्रीका के मूलभूत व प्राचीन निवासी हैं। शब्द बुशमेन कभी कभी एक नकारात्मक अर्थ के साथ जुड़ा हुआ है और इसलिये वे सैन लोगों को बुलाया जाना पसंद करते हैं । ये लोग परंपरागत शिकारी हैं, खोईखोई समूह का हिस्सा हैं और परंपरागत देहाती खोईखोई से संबंधित हैं। 1950 से 1990 के दशक में वे सरकार के जरूरी आधुनिकीकरण के कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हुए खेती करने लगे। अपनी जीवनशैली में बदलाव के बावजूद ये आधुनिक विज्ञान के लिए प्राचीन मानवों के बारे में जानकारीयाँ जुटाना का खज़ाना हैं। सैन लोगों ने नृविज्ञान और आनुवंशिकी के क्षेत्र के लिए जानकारी का खजाना प्रदान की है। जैव विविधता की जानकारी हासिल करने के लिये 2009 में पूरे हुए एक व्यापक अध्ययन जिनमें १२१

विभिन्न अफ्रीकी जनसमुदायों के डीएनए की जांच की गयी थी से यह साबित हुआ कि अफ्रीका में सान लोगों की आनुवंशिक विविधता सबसे अधिक हैं। सान लोग उन १४ मौजूदा पैतृक जनजातियों में से एक हैं जिनसे आधुनिक मानवों का विकास हुआ है और जो आज के मानव के पूर्वज हैं।

1. यह जनजाति 18° दक्षिण अक्षांश से 24° दक्षिण अक्षांश के मध्य बैचुआनालैण्ड में स्तिथ है ।
2. यह जनजाति अफ्रीका के कालाहारी मरुस्थल में स्तिथ है।

भौगोलिक परिस्थितियां-

1. कालाहारी मरुस्थल का धरातल उबड़ खाबड़ है।
2. यहां पर अर्ध उष्णकटिबंधीय जलवायु पाई जाती है।
3. यहां पर वार्षिक वर्षा 25 मीटर से भी कम होती है।
4. यहां पर वर्ष भर तापमान उच्च रहता है परंतु रातें ठंडी होती है।
5. गर्मियों की ऋतु लंबी सर्दियों की ऋतु छोटी होती है।
6. यहां पर धूल भरी आंधियां चलती है।

वनस्पति और जीव- जंतु—

(1. **)वनस्पति-** 1.-बुशमैन के निवास क्षेत्र में घास के मैदान कटीली झाड़ियां पाई जाती है।
2.- यहां पर पेयजल का प्रमुख आधार त्यामां होता है जो यहां पर बहुतायात से पाया जाता है।

(2.) जीव -जंतु—

1. यहां पर शाकाहारी और मांसाहारी दोनों ही प्रकार के प्राणी पाए जाते हैं जैसी हिरण ,बड़े कोदू, स्टैंन बॉक , गनु खरगोश, जिराफ ,शुतुरमुर्ग ,जंगली बिल्ली, वन ,बिलाव ,लकड़बग्घा ,सियार।

बुशमैन जनजाति के आर्थिक क्रियाकलाप

1. बुशमैन जनजाति मूल रूप से आखेटक है।
2. बुशमैन जनजाति में प्रत्येक परिवार अपने भोजन की स्वयं व्यवस्था करता है।
3. यह जनजाति जंतुओं की बोली की नकल करने में निपूर्ण।
4. यह लोग तीर कमान वह भाले से शिकार करते हैं।

5. बड़े शिकारी को जाल में फंसाने के लिए विभिन्न तरीके काम में लेते हैं जैसे- कीचड़ में दशाकर ,फंदे में फंसाकर, गड्ढों में गिराकर ,विषाक्त जल पिलाकर ,गड्ढों में गिरकर आदि।

बुशमैन जनजाति का भोजन –

1. बुशमैन सर्व भक्षी होते हैं।
2. बुशमैन जनजाति खाती भी ज्यादा है।
3. एक बुशमैन आधी भेड़ को एक बार में खा जाता है तथा दो बार में पूरा भेड़ खा जाता है।
4. शिकार, मछली, पौधे की जड़े, बेर तथा शहद इनके भोजन का प्रमुख अंग है।
5. दीमक चिट्ठियां व उनके अंडे इनके प्रिय भोज्य पदार्थ है।
6. यह जनजाति भोजन के ताजे व बास्यापन की प्रवाह नहीं करती है।
7. यह जनजाति भोजन का संग्रहण नहीं करती है क्योंकि यहां उष्ण जलवायु पाई जाती है।

बुशमैन जनजाति के वस्त्र-

1. बुशमैन बहुत कम वस्त्र पहनते हैं।

2. लंगोट- पुरुषों के द्वारा पहने जाने वाला एक प्रकार का तिकोना वस्त्र लंगोट कहलाता है।

3. एप्रन- बुशमैन महिलाओं द्वारा पहने जाने वाला एक प्रकार का चौकोर वस्त्र इस वस्त्र को महिलाएं सामने और पीछे की ओर कमर से लटकाकर बनती है इस वस्त्र को एप्रन कहा जाता है।

4. चोंगा- बुशमैन महिलाओं का सर्वाधिक महत्वपूर्ण वस्त्र इस वस्त्र को स्थानीय भाषा में क्रॉस कहा जाता है । यह वस्त्र और बिस्तरबंद दोनों ही होता है इस वस्त्र के अंदर महिला अपने शिशु तथा संग्रहित वस्त्रों को लपेट कर लाती है।

5. बुशमैन जनजाति चमड़े की टोपी व जूतों का भी प्रयोग करती है।

बुशमैन जनजाति के निवास ग्रह-

1. बुशमैन चट्टानी गुफाओं में शरण लेते हैं।
2. बुशमैन खुले क्षेत्र में पेड़ की टहनियों घास तथा जानवरों की खाले से गुबंदनुमा झोपड़ी बनाते हैं।
3. **वेर्फ** - यह बुशमैन लोगों का अल्पकालीन गांव होता है जो अस्थाई रूप से थोड़े समय के लिए बसाया जाता है इस गांव में लगभग 8 से 10 झोपड़ियां का समूह होता है।

बुशमैन जनजाति के औजार एवं हथियार-

1. बुशमैन जनजाति तीर कमान, नुकीला डंडा ,भाला, बरछा, तथा अग्नि दंड आदि प्रमुख हथियार रखता है।
2. बुशमैन लोग विषबुझे तीरों का प्रयोग करते हैं इन तीनों का नुकीला अग्रभाग शुतुरमुर्ग व जिराफ के पैरों

की हड्डियों को घिसकर बनाया जाता है।
3. बुशमैन जनजाति तीर -कमान से लगभग 60 मीटर की दूरी पर स्थित शिकार को भी आसानी से मार सकते हैं।
4. शिकार को पकड़ने के लिए बुशमैन पेड़ की छाल से रस्से बनाते हैं।

बुशमैन जनजाति के बर्तन या पात्र-

1. बुशमैन जनजाति के पास बर्तन बहुत कम होते हैं।
2. बुशमैन लोग जल रखने के लिए शुतुरमुर्ग के अंडे का प्रयोग करते हैं।
3. ये लोग शुतुरमुर्ग के अंडे से आभूषण भी बनाते हैं।
4. वस्तु को एकत्रित करने या लाने ले जाने के लिए हिरण की खाल से थैली बनाई जाती है भोजन करने के प्याले व अन्य बर्तन लकड़ी के बने होते हैं।

बुशमैन जनजाति के सामाजिक एवं सांस्कृतिक विशेषताएं-

1. बुशमैन लोगों के समूह में 20 या 20 से कम सदस्य शामिल होते हैं।
2. बुशमैन लोगों का दल बहुत छोटा होता है।
3. यह लोग जादू टोने तथा भूत-प्रेतों में विश्वास करते हैं।
4. बुशमैन लोगों की दो भगवानों में आता है पहला जो पूर्व में रहता है दूसरा जो पश्चिम में रहता है।
5. बुश में लोगों को बीमारियों एवं प्रेत आत्माओं से बचाने का कार्य ओझा करता है।
6. बुशमैन लोगों की चट्टानों पर की गई पेंटिंग सर्व प्रसिद्ध है।
7. इनकी क्राफ्ट वस्तुएं बहुत प्रसिद्ध है जैसे -शुतुरमुर्ग के अंडे की खोल के आभूषण ,जिराफ के पैर की हड्डियों के बने तीर कमान, ।